दुर्घटना | देर रात आग का तांडव, गौशाला और मकान जलकर खाक

भानपुर में एक दर्जन से अधिक बकरियां जिंदा जलीं

डिंडोरी/बजाग, नवभारत 23 मई। जिले के बजाग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भानपुर के घुर्री टोला में शुक्रवार देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गौशाला और उससे सटे मकान में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा परिसर धू-धू कर जलने लगा। घटना में एक दर्जन से अधिक बकरियों के जिंदा जल जाने की खबर है, जिससे ग्रामीण परिवार को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात के सन्नाटे में अचानक उठी आग की लपटों ने कुछ ही देर में गौशाला और मकान को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीण बाल्टी, ड्रम और पाइप के सहारे आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तेज लपटों और धुएं के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया।

फायर ब्रिगेड दो घंटे बाद मौके पर पहुंची

ग्रामीणों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि फायर ब्रिगेड की टीम करीब दो घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक आग ने गौशाला में बंधी बकरियों और घर में रखे घरेलू सामान को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया था। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया, मगर तब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था।

गांव में मातम और दहशत का माहौल

घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है। आग में बकरियों के जलने से प्रभावित परिवार की आजीविका पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। फिलहाल प्रशासन द्वारा नुकसान का आंकलन किया जा रहा है, वहीं आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

गैस सिलेंडर लीकेज से भड़की आग, बड़ा हादसा टला

शहपुरा के बिलगांव की घटना, घर गृहस्थी का सामान जलकर खाक

शहपुरा नवभारत 23 मई। शहपुरा थाना क्षेत्र के बिलगांव में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के पाइप में लीकेज होने से अचानक घर में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते घर का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि ग्रामीणों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। शनिवार सुबह करीब 9 बजे बिलगांव निवासी महिला अपने घर में खाना बना रही थी। इसी दौरान गैस सिलेंडर के पाइप से गैस रिसाव होने लगा और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया।

दमकल वाहन समय पर पहुंचता तो नुकसान कम होता

ग्रामीणों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन काफी देर तक दमकल वाहन मौके पर नहीं पहुंचा। इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लोगों का कहना है कि समय पर दमकल पहुंच जाती तो नुकसान कम हो सकता था। गांव के लोगों ने बाल्टी और पानी के सहारे घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

परिवार के लोग जान बचाकर बाहर भागे

आग लगते ही घर में अफरा-तफरी मच गई और परिवार के लोग जान बचाकर बाहर भागे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि घर में रखा बिस्तर, कपड़े, राशन और अन्य गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया। घटना की जानकारी लगते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी।

त्यौहारों को शांति और भाईचारे के साथ मनाने की अपील

▶ जिला शांति समिति की बैठक आयोजित

डिंडौरी, नवभारत 23 मई। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित कर आगामी त्यौहारों को शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को ईद एवं मोहर्रम की शुभकामनाएं दी गईं।

कलेक्टर ने कहा कि आगामी 28 मईको ईदुज्जहा, 26 जून को मोहर्रम एवं 8 सिंतबर को पर्युषण पर्व मनाया जाएगा। पर्वों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

आयोजन स्थलों की जानकारी उपलब्ध कराने दिए निर्देश

बैठक में विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विशेष दल गठित करने तथा नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी एवं संबंधित विभागों को साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और मार्गों की मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि ईदुज्जहा पर्व के अवसर पर ईदगाहों में प्रात: 8.00 बजे से नमाज अदा की जाएगी। मस्जिद कमेटियों से नमाज में शामिल होने वाले लोगों की संभावित संख्या एवं आयोजन स्थलों की जानकारी पुलिस को उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया, ताकि समय पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

यातायात एवं ध्वनि नियंत्रण संबंधी निर्देश

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा ने सभी थाना प्रभारियों को अधिक ध्वनि में डीजे संचालित होने पर उसे सील कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने की हिदायत दी गई। बिना अनुमति रात्रि 10 बजे के बाद डीजे संचालन प्रतिबंधित रहेगा।

पेयजल को लेकर हाहाकार, गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

भानपुर पंचायत में हर घर नल-जल योजना बनी मजाक, पंचायत और पीएचई विभाग पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

शहपुरा नवभारत 23 मई। मेहंदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत भानपुर में इन दिनों भीषण पेयजल संकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किलों में डाल दी है। गांव के कुएं, बावलियां और पारंपरिक जलस्त्रोत पूरी तरह सूख चुके हैं, जिसके चलते ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर घाट और जंगलों की ओर जाना पड़ रहा है।

हालत यह है कि महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे तपती धूप में घंटों मशक्कत कर गड्ढों में जमा गंदा पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई।

पंचायत प्रतिनिधि कागजों में चला रहे योजनाएं

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत प्रतिनिधि केवल कागजों में योजनाएं चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। गांव में संचालित 'हर घर नल-जल योजना' भी पूरी तरह फेल साबित हो रही है। पाइपलाइन और टंकियां होने के बावजूद घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा।

दूषित पानी से ग्रामीण हो रहे बीमार

ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन भानपुर गांव में लोग आज भी गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। दूषित पानी के कारण कई ग्रामीण बीमार पड़ रहे हैं, लेकिन न पंचायत ध्यान दे रही है और न ही पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों में अब भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

नागरिकों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द गांव में पेयजल की उचित व्यवस्था नहीं की गई तो उग्र आंदोलन और चक्काजाम किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन, ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग की होगी। वहीं ग्रामीणों ने गांव की बदहाल स्थिति के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर प्रशासन से गुहार लगाई है कि इस भीषण गर्मी में तत्काल पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

डिजिटल शिक्षा व कंप्यूटर प्रशिक्षण से बढ़ रहा तकनीकी ज्ञान

बरगांव में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत छात्राओं को दी जा रही ऑन जॉब ट्रेनिंग

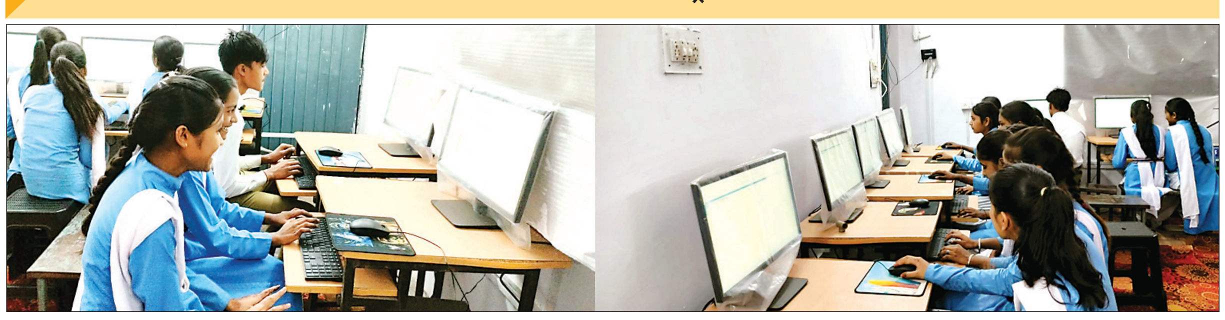

शहपुरा नवभारत 23 मई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरगांव में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को ऑन जॉब ट्रेनिंग प्रदान की जा रही है।

यह प्रशिक्षण विद्यालय के प्राचार्य रोशन कुमार झारिया के मार्गदर्शन एवं व्यावसायिक प्रशिक्षक हेमंत कुमार साहू (आईटी/आईटीईएस) के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ रोजगारपरक कौशल से जोड़ना है, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें।

व्यावहारिक कार्यों की दी जा रही जानकारी

प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को कंप्यूटर के विभिन्न व्यावहारिक कार्यों की जानकारी दी जा रही है। इसमें आधार कार्ड संबंधित कार्य, ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग, दस्तावेज़ तैयार करना, इंटरनेट का उपयोग, डाटा एंट्री, एम.एस. ऑफिस तथा दैनिक जीवन में कंप्यूटर के महत्व एवं उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण शामिल है। व्यावसायिक प्रशिक्षक हेमंत कुमार साहू द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देश है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रम की पढ़ाई करने वाले छात्राओं को 80 घंटे का ऑन जॉब प्रशिक्षण दिया जाना है। इसी निर्देश के परिपालन में विद्यालय में कक्षा दसवीं के आईटी/आईटीइस छात्राओं को पीके कम्प्यूटर्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे

पीके कम्प्यूटर्स के संचालक प्रदीप कुमार महापात्र द्वारा बच्चों को ऑनलाइन वर्क तथा कंप्यूटर संबंधी कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे छात्राएं प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार के लिए परिपूर्ण हो सकेंगे। प्रशिक्षक द्वारा छात्राओं को डिजिटल कार्यों की जानकारी दी जा रही है, जिससे वे तकनीकी रूप से सक्षम बन सकें और भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

विद्यार्थियों में बढ़ेगी डिजिटल जागरूकता

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में डिजिटल जागरूकता बढ़ेगी तथा वे आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ सकेंगे। छात्राओं ने भी प्रशिक्षण के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए इसे उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता विकसित हो रही है तथा उन्हें भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

होर्नबिल चिड़िया का जोड़ा रहा आकर्षण का केंद्र

▶ विश्व जैव विविधता दिवस पर छात्राओं ने किया पक्षी दर्शन

शहपुरा नवभारत 23 मई। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन समर कैंप के पांचवें दिवस पर विश्व जैव विविधता दिवस के अवसर पर अंग्रेजी माध्यम बालिका छात्रावास एवं आश्रम शाला की छात्राओं के लिए विशेष बर्ड वाचिंग (पक्षी दर्शन) कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में बाल्यकाल से ही जैव विविधता संरक्षण तथा सभी जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण का भाव विकसित करना था। समी ईको क्लब प्रभारी एवं अश्विनी साहू के निर्देशन में छात्राओं को स्थानीय कशहा नदी तट स्थित कुटी के आम बगीचे का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्राओं ने विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को नजदीक से देखा और उनकी मधुर चहचहाहट का आनन्द लिया। पक्षी दर्शन के दौरान इंडियन ग्रे होर्नबिल धनेश छात्राओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

अनेक पक्षियों का किया अवलोकन-भ्रमण में शामिल छात्राओं ने तोता, गौरैया, बगुला, कोयल, टेलर बर्ड, कौआ, ग्रीन बी-ईटर सहित अनेक पक्षियों का अवलोकन किया। छात्रा महिमा धुर्वे को होर्नबिल पक्षी सबसे अधिक पसंद आया, जबकि पूर्णिमा परस्ते को कोयल की मधुर आवाज और सुंदरता ने आकर्षित किया। पक्षियों को देखकर और उनकी आवाज सुनकर सभी छात्राएं उत्साहित एवं आनंदित नजर आईं। समर कैंप के दौरान छात्रावास अधीक्षक रेखा गौलिया, विकासखंड सक्षम कार्यक्रम एवं समर कैंप प्रभारी उमेश कुमार वर्मा तथा अतिथि शिक्षक प्रवीण विश्वकर्मा ने उपस्थित रहकर छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर हॉस्टल वार्डन रेखा गौलिया, अश्विनी साहू, कैंप प्रभारी उमेश कुमार वर्मा, प्रवीण विश्वकर्मा सहित हॉस्टल सहायक एवं अन्य सहयोगी कर्मचारी मौजूद रहे।

जनसुनवाई बनी लोगों का सहारा

▶ दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना जा रहा

नवभारत उमरिया 23 मई। जिले में जनसुनवाई अब केवल शिकायत सुनने तक सीमित नहीं रही, बल्कि आम लोगों की सुविधा और संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण बनती नजर आ रही है।

कलेक्टर राखी सहाय की नई पहल ने जनसुनवाई के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। दूर-दराज के गांवों से अपनी समस्याएं लेकर आने वाले लोगों को अब न केवल प्राथमिकता के साथ सुना जा रहा है, बल्कि उनके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जा रहा है। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में इस बार एक अलग ही व्यवस्था देखने को मिली। कलेक्ट्रेट पहुंचने वाले बुजुर्ग, महिलाएं और ग्रामीण सबसे पहले स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र पर पहुंचे, जहां उनका ब्लड प्रेशर, शुगर सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस संबंध में ज्वाइंट कलेक्टर अमित सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर राखी सहाय के निर्देश पर जनसुनवाई को अधिक मानवीय और सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कई बार ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले लोग आवेदन लिखकर नहीं ला पाते। ऐसे लोगों की मदद के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में आवेदन लिखवाने की विशेष सुविधा शुरू की गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति केवल जानकारी के अभाव में अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने से वंचित नहीं रहे।

बैठक | मप्र प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

प्रशासनिक व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण पर किया गया मंथन

डिंडौरी, नवभारत 23 मई। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की जिला स्तरीय बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोग के अध्यक्ष एस एन मिश्रा, सचिव अक्षय कुमार सिंह एवं सदस्य मनोज शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन, जनसुविधाओं के विस्तार तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनकेंद्रित बनाने के संबंध में विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन पर की चर्चा

बैठक में विशेष रूप से इस बात पर चर्चा की गई कि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ अधिक सरलता एवं समयबद्ध तरीके से कैसे उपलब्ध कराया जा सके। आयोग ने अधिकारियों से तहसील, विकासखंड एवं ग्राम स्तर तक प्रशासनिक पहुंच को मजबूत करने, कार्यालयीन कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा विभागीय समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में सुझाव प्राप्त किए।

शासकीय सेवाएं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराना प्राथमिकता

बैठक के दौरान आयोग के अध्यक्ष एस एन मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक इकाइयों का पुनर्गठन केवल सीमाओं के निर्धारण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य शासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को शासकीय सेवाएं सहज, सुलभ और पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है।

व्यावहारिक पुनर्गठन समय की आवश्यकता

सचिव अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि आयोग द्वारा प्रदेशभर में विभिन्न स्तरों पर बैठकों के माध्यम से जमीनी स्थिति का अध्ययन किया जा रहा है। मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सुझाव प्रशासनिक ढांचे को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। सदस्य मनोज शुक्ला ने कहा कि स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक इकाइयों का संतुलित एवं व्यावहारिक पुनर्गठन समय की आवश्यकता है।

आबकारी विभाग ने भारी मात्रा में अवैध शराब की जब्त, 9 प्रकरण किए दर्ज

डिंडौरी, नवभारत 23 मई। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 21 एवं 22 मई को आबकारी विभाग वृत्त डिंडौरी एवं शहपुरा द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर विभिन्न ग्रामों में दबिश देकर कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान विक्रमपुर, मेरमाल, कस्तूरी पिपरिया एवं खमरिया सहित विभिन्न क्षेत्रों से कुल 9 प्रकरण दर्ज किए गए। आबकारी टीम ने आरोपियों के कब्जे से 44 लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब, 50 पाव देसी मदिरा एवं 27 पाव विदेशी मदिरा बरामद की। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 15 हजार 560 रुपए बताई गई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।